## ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का पंजाब में विस्तार

- सिख धर्म
- आरम्भिक सिख साम्राज्य
- महाराजा रणजीत सिंह
- महाराजा दलीप सिंह
- महारानी जींद कौर
- पंजाब का महत्व
- प्रथम आंग्ल सिख युद्ध
- द्वितीय आंग्ल सिख युद्ध

1. गुरु नानक देव (1469-1539)
2. गुरु अंगद (1504-1552)
3. गुरु अमरदास (1479-1574)
4. गुरु रामदास (1534-1581)
5. गुरु अर्जन देव (1563-1606)
6. गुरु हरगोविंद (1595-1644)
7. गुरु हर राय (1630-1661)
8. गुरु हरकिशन (1656-1664)
9. गुरु तेग बहादुर (1621-1675)
10. गुरु गोविंद सिंह (1675-1708)

### गुरु नानक देव (1469-1539)

1. **सिख धर्म के संस्थापक व प्रथम गुरु**
2. **जन्म:-** 15 अप्रैल 1469, ननकाना साहिब, तलवंडी (पाकिस्तान)
3. **प्रभावित:** बृज नाथ, पंडित गोपाल दास, बाबा फरीद
4. **मृत्यु:-** 22 सितंबर 1539, करतारपुर (डेरा बाबा), पाकिस्तान
5. **मुख्य कार्य:-**
   - **'जपुजी साहिब' + आसा दी वार की रचना**
   - पाखंड और अंधविश्वास का विरोध
   - **लंगर व्यवस्था +** पुनर्जन्म व कर्म का सिद्धान्त
   - **"एक ओंकार" – ईश्वर एक है**
   - भेदभाव का विरोध
   - तीन मूल सिद्धांत:
     - नाम जपना
     - किरत करना
     - वंड छकना
10. **चार प्रमुख 'उदासियाँ' (धार्मिक यात्राएँ) – भारत, तिब्बत, श्रीलंका, अरब व फारस**
11. **जनमसाखी:** गुरु गुरु नानक का जीवनचरित

### गुरु अंगद (1539-1552)

1. सिखों के दूसरे गुरु व गुरु नानक के शिष्य
2. मूलनाम:- लेहणा
3. जन्म: 31 मार्च 1504, मट्टे दी सराय (पंजाब, भारत)।
4. मुख्य कार्य:-
   - लंगर व्यवस्था को स्थायी बनाया
   - "गुरुमुखी" लिपि का अविष्कार

### गुरु अमरदास (1552-1574)

1. **जन्म:** 5 मई 1479 अमृतसर (वर्तमान पंजाब)
2. **मुख्य कार्य:-**
   - गोइंदवाल साहिब: बैसाखी मेले की परंपरा
   - अकबर ने गुरु अमरदास जी से भेंट की: गोइंदवाल
     - गुरु की पुत्री बीबी भानी को गांव

### गुरु रामदास (1574-1581)

1. गुरु अमरदास के शिष्य व दामाद
2. जन्म: **24 सितंबर 1534, लाहौर (वर्तमान पाकिस्तान)**
3. **1577 में अमृतसर (रामदासपुर) की स्थापना:**
   - अकबर ने 500 बीघा भूमि प्रदान की
   - हरमिंदर साहिब (स्वर्ण मंदिर) का निर्माण प्रारंभ
   - "अमृत सरोवर"
4. गुरु पद को वंशानुगत बना दिया गया
5. नई विवाह परंपरा: "लावन" (**लावां**)
6. **मसंद प्रथा: सिख धर्म के प्रसार हेतु (आय का दसवाँ भाग)**

### गुरु अर्जुन देव (1581-1606)

1. **जन्म:** 15 अप्रैल, 1563, गोइंदवाल (पंजाब)
2. सिखों के पाँचवें गुरु तथा गुरु राम दास के पुत्र
3. **मुख्य कार्य:-**
   - आदि ग्रंथ (गुरु ग्रंथ साहिब) का संकलन (1604) — कबीर, नामदेव, रैदास आदि की रचनाएँ
   - 1589:- हरमिंदर साहिब (स्वर्ण मंदिर) का निर्माण
     - शिलान्यास:- कादरी संप्रदाय के संत मियां मीर
   - अनिवार्य आध्यात्मिक कर
4. **मृत्यु:** 30 मई 1606 , लाहौर, पाकिस्तान (जहांगीर)

### गुरु हर गोविंद (1606-1644)

1. **जन्म:** 19 जून 1595 (गोइंदवाल, पंजाब)
2. **मुख्य कार्य:-**
   - "मीरी (राजसत्ता)" और "पीरी (धार्मिक सत्ता)"
     - प्रतीक के रूप में दो तलवारें धारण कीं
     - संत-सिपाही'
   - अमृतसर में "अकाल तख्त" की स्थापना
   - अमृतसर में "अकाल तख्त" की स्थापना
   - **दरबार में नगाड़ा + अमृतसर की किलेबंदी**
3. जहांगीर ने 2 वर्ष तक ग्वालियर के किले में कैद रखा था
4. **पंजाब:** किरतपुर साहिब

## गुरु हरराय (1644-1661)

- उत्तराधिकार में दारा शिकोह के पक्षधर
- अपना उत्तराधिकारी अपने छोटे पुत्र हरकिशन को बनाया

## गुरु हरकिशन (1661-64)

- बाला साहिब: **5 वर्ष की आयु में**
- औरंगजेब से भेंट
- बेदी-सोढ़ी विवाद: गुरु हरकिशन एवं रामराय के भाई
- रामराय ने देहरादून में अपनी एक अलग गद्दी स्थापित की थी।

## गुरु तेगबहादुर (हिन्द की चादर: 1664-1675)

1. सिक्खों के छटवें गुरु तथा गुरु हरगोविंद के पुत्र
2. **मुख्य कार्य:-**
   - "यदि धर्म की रक्षा के लिए सिर देना पड़े, तो भी अन्याय का विरोध आवश्यक है।"
   - मुगलों के विरुद्ध करतारपुर का युद्ध
   - औरंगजेब का विरोध: कश्मीर के पंडितों की रक्षा
   - आनंदपुर साहिब की स्थापना (1665)
3. **मृत्यु:-** 1675 में औरंगजेब द्वारा हत्या
   - दिल्ली में शीशगंज गुरुद्वारा

## गुरु गोविंद सिंह (1675-1708)

1. **अंतिम गुरु**: 'गुरु ग्रंथ साहिब' को गुरु घोषित किया
2. गुरु तेग बहादुर के पुत्र -
3. **जन्म:-** 22 दिसम्बर 1666, पटना (बिहार)
4. **खालसा पंथ की स्थापना (1699):-**
   - आनंदपुर साहिब: बैसाखी, 13 अप्रैल 1699
   - **संत-सिपाही" व "पंच प्यारे":** दया सिंह, धर्म सिंह, हिममत सिंह, मोहकम सिंह, साहिब सिंह
   - सिख को "सिंह (पुरुष)" और "कौर (स्त्री)" उपनाम
   - सिखों के लिए 5 ककार - केश, कच्छा, कंघा, कड़ा व कृपाण को अनिवार्य कर दिया
5. **पाहुल नामक एक त्यौहार + '52 हुक्म' (52 आदेश)**
6. **प्रमुख रचनाएँ:** दसम ग्रंथ (चौबीस अवतार+चंडी दी वार+कृष्ण अवतार), जप साहिब, **ज़फ़रनामा (फारसी+औरंगज़ेब को पत्र)**
   - आत्मकथा:- विचित्रनाटक
   - दमदमा साहिब (Punjab: गुरुओं की काशी): गुरु ग्रंथ साहिब का अंतिम संस्करण
7. **बहादुर शाह ने गुरु गोविंद सिंह को 5000 का मनसब**
8. **चारों पुत्रों (साहिबज़ादों) ने बलिदान:**
   - अजित सिंह व जुजार सिंह – चमकौर के युद्ध
   - ज़ोरावर सिंह व फतेह सिंह – सरहिंद के मुगल फौजदार वजीर खान में दीवार में चुनवा
9. **1708 में नांदेड़ (महाराष्ट्र)** नामक स्थान पर एक पठान अजीम खान ने उनकी हत्या कर दी

## बंदा बहादुर (1708-1716)

1. गुरु गोविंद सिंह के बाद सिख नेतृत्व
2. **मूल नाम:-** लक्ष्मण देव / माधव दास बैरागी
3. नांदेड़ में गुरु गोविंद सिंह से मुलाकात
4. **राजधानी:-** लोहरगढ़ (फतेहगढ़ साहिब)
5. **मुख्य कार्य:-**
   - सरहिंद के मुगल फौजदार वजीर खान की हत्या
   - कत्लगढ़ी में हजार मुगलों की हत्या: शाहदरा (दिल्ली)
   - गुरुनानक व गुरु गोविन्द सिंह के नाम के सिक्के
6. **मृत्यु:-** 1716 में गुरुदासपुर युद्ध के बाद फरुखसियर द्वारा हत्या

## आरंभिक सिख साम्राज्य

- बंदा बहादुर - सिख साम्राज्य की स्थापना
- 1716 में बंदा बहादुर की मृत्यु
- पुनः सिख कमजोर
- नादिरशाह आक्रमण (1739) व पानीपत तृतीय (1761) के बाद पुनः उत्थान
- 1748 में कर्पूर सिंह द्वारा दल खालसा का निर्माण
- 1773 में दल खालसा का 12 मिसलों में विभाजन

1. अहलूवालिया
2. निशानवाला
3. फुलकिया
4. रामगढ़िया
5. सुकरचकिया
   - संस्थापक - चरतसिंह
   - महाराजा रणजीत सिंह

- महाराजा रणजीत सिंह द्वारा पुनः एकीकरण

## महाराजा रणजीत सिंह (1780-1839): शेर-ए-पंजाब

1. सामान्य परिचय 2. विजय अभियान 3. अमृतसर की संधि
4. शासन व्यवस्था 5. रणजीत सिंह - आंग्ल सम्बंध

### सामान्य परिचय

1. **जन्म:-** 13 नवम्बर 1780, गुज्रांवाला (पाकिस्तान)
2. **पिता:-** महासिंह (सुक्करचक्किया मिसल के प्रमुख चरत सिंह के पुत्र)
3. **माता:-** राजकौर
4. **राजधानी:-**लाहौर (1799: अदालत ए आला)
5. **राज्याभिषेक:-** 1801
6. **धार्मिक राजधानी:-** अमृतसर
7. **मृत्यु:-** 27 जून 1839, लाहौर
8. पंजाब के इतिहास का स्वर्ण युग
9. रणजीत सिंह ने स्वर्ण मंदिर को सोने से मढ़वाया

### विजय अभियान

1. **1798/99:-** अफगान शासक जमानशाह की 12 तोपे चिनाब नदी से निकालकर काबुल भेजी परिणामस्वरूप जमान ने **लाहौर व राजा** की उपाधि प्रदान की
2. **1805:-** रणजीत सिंह ने अमृतसर को भंगी मिसल से छीन लिया
3. **25 अप्रैल 1809:- अं**ग्रेजों के साथ अमृतसर की संधि (चार्ल्स मैटकॉर्फ+गवर्नर मिंटो प्रथम) - सतलज नदी को सीमा बनाया
4. **1814:**- अफगान शासन शाहशुजा से कोहिनूर हीरा
5. **1838:**- प्रथम अफगान युद्ध
6. अमृतसर, मुल्तान, पेशावर, कश्मीर, अटॉक
7. राजस्व शासन:- कनकूत व्यवस्था (1824-34)
   - फसल की अनुमानित उपज के आधार पर भू राजस्व का निर्धारण
   - कनकूत = "कनक"
   - अनाज + "कूत" = मापना
   - नकद भू राजस्व: 33 से 40%

**8.** सैन्य प्रशासन:-
- यूरोपीय पद्धति पर आधारित सुप्रशिक्षित सेना
  - फ़ौज ए खास (फ्रांसीसी सेनापति जीन एलार्ड: "कौकब-ए-इकबाल-ए-पंजाब")
  - फौज ए बेकवायद (अनियमित सेना)
- पैदल सेना:- इटालियन सेनापति बंतुरा
- तोपखाना:- फ्रांसीसी जनरल कोर्ट एवं गार्डनर

## रणजीत सिंह - आंग्ल सम्बंध

❖ रणजीत सिंह ने अंग्रेजों से अच्छे संबंध बनाए रखने का प्रयत्न किया जबकि अंग्रेजों ने उनके प्रति मित्रता के भाव नहीं रखे।

- रणजीत सिंह द्वारा अमृतसर की संधि का पालन
- 1838 में शाह शुजा के साथ त्रिदलीय संधि करना
- सिंध पर अपने युद्ध अभियान को रोकना
  - खड़क
  - नौ निहाल सिंह
  - शेर सिंह
  - दलीप सिंह

## महाराजा दिलीप सिंह (1843–1849)

1. **अल्प वयस्क शासक (5 Year):-** संरक्षिका (महारानी जिन्द कौर):- किला मुबारक
2. **प्रथम और द्वितीय आंग्ल सिख युद्ध:-** चिलयावाला का युद्ध (1849):- लॉर्ड डलहौजी
3. **1849:-** पंजाब पर शासन करने हेतु डलहौजी ने तीन लोगों की परिषद बनाई
   - अध्यक्ष
   - सर हेनरी लॉरेंस
4. दिलीप सिंह → 50,000 पोंड की वार्षिक पेंशन
   - ईसाई धर्म अपनाया
   - कोहिनूर हीरा अंग्रेजों को
   - फ्रांस में मृत्यु और इंग्लैंड में अंतिम संस्कार

***महारानी जिन्द कौर (रानी जिन्दा)***
1. 1843 से 1846 तक सिख साम्राज्य की संरक्षिका
2. महाराजा रणजीत की पत्नी
3. अंग्रेज उनको पंजाब का मेस्सालिना कहा करते थे

| वर्ष | घटना | विवरण |
|---|---|---|
| 1845–46: लॉर्ड हार्डिंग II | प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध: खालसा सेना ने "पंचायत" प्रणाली अपनाई। 1845 में सेना ने सतलज पार किया | ➤ मुदकी की लड़ाई (18 दिसंबर 1845) + फ़िरोज़शाह की लड़ाई (21-22 दिसंबर, 1845) + सबराओं की लड़ाई (10 फरवरी, 1846)<br>➤ सिखों की पराजय — लाहौर संधि (9 मार्च, 1846)<br>➤ अमृतसर की सन्धि (16 मार्च 1846): व्यास से सिन्ध तक का प्रदेश (कश्मीर) गुलाबसिंह को एक करोड़ रुपये में बेच दिया<br>➤ भैरोंवाल की संधि (22 दिसंबर 1846)<br>➤ हेनरी लॉरेन्स को रेजीडेण्ट नियुक्त किया गया। |
| 1848–49: लॉर्ड डलहौजी | द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध | ➤ अप्रैल 1848: मुलतान के दीवान मूलराज ने ब्रिटिश अधिकारियों की हत्या कर दी<br>➤ 13 जनवरी 1849: चिलयावाला युद्ध: ह्यूग गफ + शेर सिंह अट्टारीवाला<br>➤ गुजरात/तोपों का युद्ध (चार्ल्स नेपियर: 21 फरवरी 1849):- चेनाब के निकट गुजरात में। |
| 29 मार्च 1849 | राज्य का विलय | ➤ लॉर्ड डलहौजी ने चार्ल्स नेपियर के नेतृत्व में, पंजाब का अंग्रेजी राज्य में विलय<br>➤ 3 सदस्य: अध्यक्ष: हेनरी लॉरेंस + जॉन लॉरेंस + चार्ल्स मैन्सेल |

1. कोल्लूर खान, गोलकुंडा, आंध्र प्रदेश
2. काकतीय राजवंश
3. दिल्ली सल्तनत
4. मुग़ल सम्राट
5. नादिर शाह (फ़ारस)

6. दुर्रानी साम्राज्य (अफ़ग़ान)
7. महाराजा रणजीत सिंह (पंजाब)
8. ब्रिटिश शासन (1849)
9. यूनाइटेड किंगडम के राजमुकुट रत्न (महारानी विक्टोरिया एवं एलिज़ाबेथ द्वितीय)
10. टावर ऑफ़ लंदन